



भारत गवर्नर

V. OF INDIA

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० १८४]  
No. 188]नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 7, 1978/बैत्र 17, 1900  
NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 7, 1978/CHAITRA 17, 1900

इस भाग में सिव्र पृष्ठ संलग्न ही जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 7 अप्रैल, 1978

कानूनों 256(इ०)।—राष्ट्रपति द्वारा किया गया गमनालिखित आदेश सर्वे साधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है—

आदेश

यह: राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते हुए उपराष्ट्रपति ने 11 मई, 1977 को एक आदेश किया था जिसमें मिज़ोरम संघराज्य शेष के संबंध में संघराज्य शेष शासन अधिनियम, 1963 (1963 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् “अधिनियम” कहा गया है) के कठिपय उपबन्धों का प्रवर्तन उम तारीख से मात्र मास की अवधि के लिये निलम्बित कर दिया था और जिसमें पूर्वोक्त अवधि के दौरान संविधान के अनुच्छेद 239 के मनुसरण में मिज़ोरम संघराज्य शेष के प्रशासन के लिये ऐसे कठिपय अनुरूपिक और पारिणामिक उपबन्ध बनाये गये थे, जो उन्हें भावशक और समीचीन प्रसीत हुए,

और यह: मैंने 9 दिसम्बर, 1977 को पूर्वोक्त भावशक के अधीन निलम्बित किये गये अधिनियम के उपबन्धों के प्रवर्तन के निलम्बन के 11 दिसम्बर, 1977 से और आर मास की अवधि के लिये आँख रहने का एक और भावशक किया था,

और यह: मेरा यह समाधान हो गया है कि मिज़ोरम संघराज्य शेष में ऐसी स्थिति जारी है कि उम संघराज्य शेष का प्रशासन, अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता और यह कि संघराज्य

शेष के उत्तिव्र प्रशासन के लिये यह भावशक है कि प्रथम वर्णित भावशक के अधीन निलम्बित किये गये अधिनियम के उपबन्धों का प्रवर्तन निलम्बित बना रहना चाहिये और उसमें बताये गये आनुरूपिक और पारिणामिक उपबन्ध यारह मास की अवधि से आगे ही प्रवर्तन रहने चाहिये,

अतः, मैं, नीलम संजीव रेड्डी, भारत का राष्ट्रपति, अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रवर्त शक्तियों और उस निमित्त मुक्ते समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतबुद्धारा निवेद रेखा हूँ कि—

- (क) प्रथम वर्णित आदेश के खण्ड (क) के आधार पर निलम्बित किये गये अधिनियम के उपबन्धों का प्रवर्तन निलम्बित बना रहेगा और उस आदेश के खण्ड (ख) के आधार पर बनाये गये आनुरूपिक और पारिणामिक उपबन्ध 11 अप्रैल, 1978 से और दो मास की कालावधि के लिये प्रवृत्त बने रहेंगे, और
- (ख) प्रथम वर्णित भावशक के जो पश्चात् में संशोधित किया गया है, खण्ड (क) में आने वाले “यारह मास” शब्दों के स्थान पर “तेरह मास” शब्द रखे जायेंगे।

हूँ,

नई दिल्ली,

(नीलम संजीव रेड्डी)

7 अप्रैल, 1978।

राष्ट्रपति

[सं० म०-११०१२/१/७८-प०टी०एल०]

म०ला० कम्पानी, भवर सचिव

**MNISTRY OF HOME AFFAIRS**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th April, 1978

**S.O. 256(E).**—The following Order made by the President is published for general information :—

**ORDER**

Whereas the Vice-President acting as President had on 11th May, 1977 made an Order suspending for a period of seven months from that date the operation of certain provisions of the Government of Union Territories Act, 1963 (20 of 1963), (hereinafter referred to as "the Act") in relation to the Union Territory of Mizoram, and making certain incidental and consequential provisions which appeared to him to be necessary and expedient for administering the Union Territory of Mizoram in accordance with the provisions of article 239 of the Constitution during the aforesaid period;

And whereas I had on 9th December, 1977, made a further Order continuing the suspension of operation of the provisions of the Act suspended under the aforesaid Order for a further period of four months with effect from the 11th December, 1977;

And whereas I am satisfied that the situation in the Union Territory of Mizoram continues to be such that the administration of that territory cannot be carried on in accordance with the provisions of the Act and that for the proper administra-

tion of that Union Territory it is necessary that the operation of the provisions of the Act suspended under the first mentioned Order should continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made therein should continue to operate beyond the period of eleven months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 51 of the Act and all other powers enabling me in that behalf, I, Neelam Sanjiva Reddy, President of India hereby direct—

- (a) that the operation of the provisions of the Act suspended by virtue of clause (a) of the first mentioned Order shall continue to remain suspended and the incidental and consequential provisions made by virtue of clause (b) of the said Order shall continue to be operative for a further period of two months with effect from the 11th April, 1978; and
- (b) that for the words "eleven months" occurring in clause (a) of the first mentioned Order, as subsequently amended, the words "thirteen months" shall be substituted.

New Delhi,  
the 7th April, 1978.

Sd/-

(NEELAM SANJIVA REDDY), President.

[No. U-11012/1/78-UTL]

M. L. KAMPANI, Additional Secy.